www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 276 | जौनपुर बुधवार, 27 मई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस की राजनीति सिर्फ लटकाने, अटकाने और भटकाने की : गुलाम अली खटाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कांग्रेस पार्टी, केरल वक्फ बोर्ड विवाद, पश्चिम बंगाल में घुसपैठ और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयानों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा जनता को गुमराह करने की राजनीति की है और देश के विभिन्न मुद्दों पर भ्रम फैलाने का काम किया है। राजनीति समाचार केरल वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए गुलाम अली खटाना ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश के नागरिकों से झूठ बोला है। कांग्रेस ने केरल की जनता को भ्रमित कर जनादेश हासिल किया।भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति "लटकाने, अटकाने और भटकाने" की रही है और पार्टी ने हमेशा लोगों की भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही की राजनीति में विश्वास करती है, जबकि कांग्रेस केवल भ्रम फैलाने और लोगों को गुमराह करने का काम करती रही है। खटाना ने दावा किया कि वक्फ बोर्ड से जुड़े मामलों में भी कांग्रेस ने स्पष्ट नीति अपनाने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की।वहीं, पश्चिम बंगाल में 'होल्डिंग सेंटर्स' और अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा सांसद ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को पहचान कर बाहर निकाला जाएगा और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस भी बूथ मजबूत करने में जुटी

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने भी बूथ मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में पार्टी का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सतना में चल रहा है। कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सतना एवं मैहर जिले के ब्लॉक अध्यक्षों, नगर अध्यक्षों तथा मंडलम अध्यक्षों के लिए दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का सतना में शुरू हुआ। प्रशिक्षण शिविर में संगठन को सशक्त बनाने, जनसरोकारों के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार करने पर विशेष चर्चा की गई।प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिवस मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा जनता के बीच कांग्रेस की विचारधारा को प्रभावी ढंग से पहुंचाने की चर्चा करते हुए।

अवकाश सूचना

आप सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि बकरीद के उपलक्ष्य में कार्यालय व प्रेस में अवकाश रहेगा, अतः अगला अंक समय से प्रकाशित होगा।

सम्पादक

पीएम मोदी के 12 साल पूरे- सीएम योगी बोले- विकास, जनकल्याण और आत्मनिर्भर भारत को मिला नया आयाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। साल 2014 में 26 मई को नरेंद्र मोदी ने देश के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण किया था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ल्वहप ।कपजलंदंजी ने उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली, जबकि जनभागीदारी ने विकास को एक व्यापक जन–आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सीएम योगी ने लिखा, "विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'प्रधान सेवक' के रूप में सेवा, सुशासन और लोक–कल्याण को समर्पित गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई।" सीएम योगी ने कहा कि इन वर्षों में गरीब कल्याण शासन की प्राथमिकता बना, अंत्योदय आत्मनिर्भरता की शक्ति में परिवर्तित हुआ और जनभागीदारी ने विकास को जन–आंदोलन का रूप दिया। यही वह दृष्टि है, जिसने ऐसे 'नए भारत' का निर्माण किया, जहां नारी सशक्तिकरण, नवाचार, आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण साथ–साथ आगे बढ़ रहे हैं। सीमाओं पर अडिग, आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक और विश्व मंच पर आत्मविश्वास से परिपूर्ण भारत आज एक सशक्त और विश्वसनीय नेतृत्व के रूप में स्थापित है। डिजिटल, डेमोग्राफी और डेमोक्रेसी की त्रिवेणी 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को नई गति दे रही है। अपने पोस्ट में केंद्र सरकार की कई लाभकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास, जन–धन, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला और स्वनिधि जैसी योजनाओं ने विकास को जन–जीवन तक पहुंचाकर लोगों के विश्वास को मजबूत किया है। यही विश्वास 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के संकल्प को साकार कर रहा है। सीएम योगी ने आगे कहा कि 'नेशन फर्स्ट' की भावना और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही इस युगांतकारी यात्रा के लिए प्रधानमंत्री जी का कोटि–कोटि अभिनंदन।

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी का मास्टरस्ट्रोक, 5 रुपये में मछली–भात, महिलाओं को 3000 रुपये

बंगाल, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कल्याणी में कई कल्याणकारी और नियामक उपायों की घोषणा की, जिनमें शैक्षणिक संस्थानों और मंदिरों के एक किलोमीटर के दायरे में शराब की दुकानों पर प्रतिबंध, महिलाओं के लिए मासिक वित्तीय सहायता योजना और पूरे राज्य में रियायती दरों पर मछली–चावल का भोजन शामिल है।

मुख्यमंत्री अधिकारी ने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और मंदिरों के एक किलोमीटर के दायरे में शराब की दुकानें खोलने की अनुमति नहीं होगी। एक अन्य महत्वपूर्ण घोषणा में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 27 मई से ष्अन्नपूर्णा योजनाष् के लिए आवेदन पत्र जारी करना शुरू करेगी, जिसके तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 3,000 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी। इस योजना से राज्य भर की लाखों महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री अधिकारी ने पूरे बंगाल में रियायती कैंटीन शुरू करने की भी घोषणा की, जहां मछली–चावल का भोजन 5 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा। उनके अनुसार, लोगों को किफायती भोजन उपलब्ध कराने के लिए इस पहल के तहत लगभग 400 विशेष कैंटीन स्थापित की जाएंगी।

गुलमर्ग में 300 पर्यटकों का रेस्क्यू, राजनाथ सिंह ने बचाव टीम को सराहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग में गोंडोला (केबल कार) सेवा में तकनीकी खराबी के कारण सोमवार को पर्यटक केबिनों में हवा में फंस गए थे। पर्यटकों को सुरक्षित बचाए जाने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सुरक्षा बलों की प्रशंसा की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, ष्गुलमर्ग में केबल कारों में फंसे 300 पर्यटकों का सफल बचाव हमारी आपदा राहत एजेंसियों की तत्परता, उनके पेशेवर रवैये, साहस और समन्वय को दर्शाता है। भारतीय सेना, जम्मू–कश्मीर पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और नागरिक प्रशासन की संयुक्त बचाव टीम ने इस चुनौतीपूर्ण अभियान को कुशलता और दृढ़ संकल्प के साथ अंजाम दिया। राष्ट्र इस बचाव अभियान में शामिल सभी कर्मियों के समर्पण और सेवा की सराहना करता है। दरअसल, सोमवार को गुलमर्ग गोंडोला की बेस स्टेशन से फेज–1 कोंगडोरी के बीच सेवा तकनीकी खराबी के कारण अचानक रुक गई थी। इससे कई पर्यटक हवा में लटकी केबल कारों में फंस गए। जम्मू–कश्मीर पुलिस और गोंडोला प्रबंधन प्राधिकरण से सहायता मांगे जाने का संदेश मिलते ही भारतीय सेना तुरंत सक्रिय हो गई। बुटापथरी बटालियन क्षेत्र से विशेष बचाव दल रवाना किए गए, जिन्होंने खराब मौसम के बावजूद तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सेना के साथ–साथ एसडीआरएफ और अन्य नागरिक एजेंसियों ने भी संयुक्त अभियान चलाया। राहत कार्य को और तेज करने के लिए गुलमर्ग एटीवी एसोसिएशन की अतिरिक्त गाड़ियों को भी लगाया गया।

बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करेंगे अमित शाह, घुसपैठ रोकने के लिए अफसरों की बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आने वाले दिनों में देश के कई सीमावर्ती इलाकों का दौरा करेंगे। इस दौरान वह सीमा चौकियों पर जवानों के साथ समय बिताएंगे और जमीनी हालात का जायजा लेंगे। शाह का फोकस सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाने, बांग्लादेशी घुसपैठ रोकने और नशे की तस्करी पर लगाम कसने पर रहेगा। गृह मंत्रालय, बीएसएफ और राज्य सरकारों के अधिकारियों के साथ स्मार्ट फेंसिंग प्रोजेक्ट को लेकर भी अहम बैठकें होंगी। गृह मंत्री सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रही योजनाओं की समीक्षा करेंगे और जवानों की समस्याएं भी सुनेंगे। गृह मंत्री अमित शाह अपने दौरे की शुरुआत राजस्थान के बीकानेर से करेंगे। 26 मई को वह बीएसएफ की 179वीं वाहिनी की सीमा चौकी सांचू पहुंचेंगे। यहां वह प्रहरी सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और जवानों

के साथ संवाद करेंगे। इसके अलावा शाह महिला बैरकों का ई–उद्घाटन भी करेंगे। बीकानेर में गृह मंत्री की एक उच्चस्तरीय बैठक भी प्रस्तावित है। इस बैठक में बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी, सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक शामिल होंगे। बैठक में सीमा सुरक्षा, घुसपैठ और सीमावर्ती इलाकों की चुनौतियों पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाना है। बीकानेर के बाद अमित शाह 29 मई को गुजरात के भुज जाएंगे। वहां वह बीएसएफ की सीमा चौकी का दौरा करेंगे और हरामीनाला क्षेत्र में तैनात जवानों से बातचीत करेंगे। यह इलाका सुरक्षा के लिहाज से काफी संवेदनशील माना जाता है। इसके बाद पांत जून को गृह मंत्री त्रिपुरा पहुंचेंगे। यहां वह भारत–बांग्लादेश सीमा से जुड़े इलाकों का दौरा करेंगे। पूर्वोत्तर राज्यों में घुसपैठ और नशे की तस्करी लंबे समय से बड़ी चुनौती बनी हुई है। ऐसे में शाह सीमा सुरक्षा बल और राज्य अधिकारियों के साथ हालात की समीक्षा करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह स्मार्ट फेंसिंग प्रोजेक्ट को लेकर भी अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में किया सम्मानित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में 2026 के पहले पद्म अवॉर्ड्स दिए। इस दौरान उन्होंने देश के बैंकिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने वाले कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक और निदेशक उदय कोटक को पद्म भूषण अवॉर्ड से सम्मानित किया। उदय कोटक की यात्रा को भारत के वित्तीय क्षेत्र की सबसे प्रेरणादायक कहानियों में से एक माना जाता है। जब उदय कोटक ने अपना काम शुरू किया, तब वह किसी बड़े कारोबारी परिवार से नहीं थे और न ही उन्हें बड़े निवेशकों का सहारा मिला था।1990 के शुरुआती वर्षों में कोटक फाइनेंस के जरिए उदय कोटक ने तब ऑटो लोन, निवेश बैंकिंग और शेयर ब्रोकिंग जैसे क्षेत्रों में काम बढ़ाया, जब भारत की अर्थव्यवस्था खुल रही थी और लोन लेना काफी कठिन था। वहीं, अपना कारोबार खड़ा किया।उनके फैसले जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सोच–समझकर लिए जाते थे।

1991 के आर्थिक उदारीकरण ने निजी वित्तीय संस्थानों के लिए नए मौके पैदा किए। शुरुआत में कई लोग नई कंपनी को पैसा देने से हिचकिचाते थे। इन चुनौतियों के बावजूद उदय कोटक ने ईमानदारी, पारदर्शिता और कम जोखिम वाले कर्ज के सिद्धांतों पर कंपनी की शुरुआती तरक्की परिवार और दोस्तों से लिए गए 30 लाख रुपए के कर्ज से शुरू हुई, जिससे बिल डिस्काउंटिंग का कारोबार शुरू किया गया। समय के साथ यही छोटी शुरुआत आगे चलकर भारत के सबसे बड़े निजी बैंकिंग समूहों में से एक की मजबूत नींव बन गई। बता दें, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर गृह मंत्रालय की ओर से देश के सबसे बड़े नागरिक सम्मान में से एक पद्म अवार्ड्स का ऐलान किया गया था।उदय कोटक के अलावा, इस बार ट्रेड और इंडस्ट्री कैटेगरी में चार कारोबारियों को पद्म अवार्ड्स से सम्मानित किया है। इसमें महाराष्ट्र की शिपिंग कंपनी दास ऑफशॉर इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और एमडी अशोक खड़े और निजी डिफेंस कंपनी सोलार इंडस्ट्रीज के संस्थापक सत्यनारायण नुवाल को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। वहीं, किचन के लिए उपकरण बनाने वाली कंपनी प्रस्टीज के टीटी जगन्नाथन को मरणोपरांत पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। सरकार की ओर से कुल 131 लोगों को पद्म अवार्ड्स दिया गया है।

सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा, सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

जौनपुर,। जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 परमानंद झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित सहायक आचार्य, राजकीय (प्रा.) परीक्षा–2025 को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के संबंध में मंगलवार देर सायं बैठक आयोजित की गई। परीक्षा 31 मई 2026 (रविवार) को जनपद के 14 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। बैठक में परीक्षा की तैयारियों, कानून व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं एवं मजिस्ट्रेट ड्यूटी सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने परीक्षा के सफल आयोजन हेतु सभी विभाग को आपसी समन्वय एवं गंभीरता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा की शुचिता एवं गोपनीयता बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ करें ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सम्पन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छ शौचालय, सीसीटीवी कैमरा, प्रकाश व्यवस्था एवं बैठने की समुचित व्यवस्था की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करा ली जाएं। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षार्थियों के लिए पेयजल एवं प्राथमिक उपचार की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई न हो। बैठक में तैनात मजिस्ट्रेटों को उनके दायित्वों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा अवधि के दौरान अपने–अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहें तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराएं। उन्होंने परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराने हेतु अधिकारियों को सजग एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, वितरण व्यवस्था, कंट्रोल रूम संचालन एवं परीक्षा केंद्रों पर निगरानी व्यवस्था के संबंध में भी आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को पूरी पारदर्शिता एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारीगण, क्षेत्राधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, शिक्षा विभाग के अधिकारी, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

केरल के मुख्यमंत्री सतीशन का दिल्ली दौरा, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

केरल, (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन आज मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी पहली आधिकारिक बैठक करेंगे। नए मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद होने वाली यह मुलाकात राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। केरल में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) सरकार के सत्ता में आने के बाद पीएम मोदी के साथ सतीशन की यह पहली मुलाकात है। हालांकि, इस मुलाकात का एजेंडा क्या होगा, इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन उम्मीद है कि चर्चा का मुख्य केंद्र केरल की तत्काल विकास प्राथमिकताएं, केंद्र से मिलने वाली सहायता और राज्य के वे अहम मुद्दे होंगे, जिनमें केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की जरूरत है। पीएम मोदी के अलावा, मुख्यमंत्री की मुलाकात केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी होनी है। यह यह संकेत मिला कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व केरल के नए प्रशासन के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है। सबसे पहले सुबह करीब 9 बजे

मुलाकात दोपहर 2रू30 बजे नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में होगी। इससे पहले शनिवार को सतीशन ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ लगातार कई बैठकें कीं, जिससे उन्होंने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की, जिसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ चर्चा हुई। बाद में सतीशन ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से भी मुलाकात की। इन मुलाकातों के दौरान माना जा रहा है कि उन्होंने विधानसभा चुनावों में मिले समर्थन के लिए कांग्रेस आलाकमान का आभार व्यक्त किया। सूत्रों के अनुसार, संगठनात्मक मामलों और पार्टी की भविष्य की राजनीतिक रणनीति पर भी चर्चा हुई। इस बीच, मुख्यमंत्री बनने के बाद सतीशन की दिल्ली की पहली यात्रा के दौरान केरल हाउस में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां छात्र और समर्थक देर रात तक उनसे मिलने के लिए जुटे रहे। मुख्यमंत्री ने आगंतुकों से बातचीत करने में समय बिताया और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में उनके आगमन को लेकर उत्साह का माहौल और बढ़ गया।

राजस्थान और हिमाचल में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा, नितिन गडकरी ने दिए गुणवत्ता सुधार के निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव की स्थिति की व्यापक समीक्षा की। यह बैठक मीडिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आयोजित की गई। नई दिल्ली में आयोजित बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, हर्ष मल्होत्रा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा परियोजना ठेकेदार मौजूद रहे। बैठक में राजस्थान के 10,064 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की गुणवत्ता और रखरखाव की स्थिति का आकलन किया गया।

संपादकीय

टीएमसी की उम्मीद गलत साबित हुई

टीएमसी की ये उम्मीद गलत साबित हुई कि बांग्ला अस्मिता की प्रतिनिधि के रूप में खुद पेश कर वह शहिंदुत्व– हिंदीच्य पहचान वाली भाजपा को जीतने से रोक देगी। असम में ऐसी सोच पहले ही गलत साबित हो चुकी है। पश्चिम बंगाल का सियासी किला फतह करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 2026 का विधानसभा चुनाव युद्ध के अंदाज में लड़ा। अपने पास मौजूद तमाम गोले तो उसने वहां दागे ही, केंद्र में सत्ताधारी होने के नाते शासन तंत्र से हासिल होने वाली ताकत एवं प्रभाव का भी बेहिचक उपयोग किया। अपनी खास जूझारू भावना के लिए चर्चित ममता बनर्जी को चारों तरफ से घेर लेने की ये रणनीति कामयाब रही है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की विवादास्पद प्रक्रिया से तृणमूल कांग्रेस के लिए मुकाबले का धरातल असमान हो जाने के संकेत लगातार मिल रहे थे। निर्वाचन आयोग के अन्य कदमों ने टीएमसी की राह को और भी कठिन बनाया। अन्य संवैधानिक संस्थाओं ने भी चुनाव प्रक्रिया पर उठे प्रश्नों की फिक्र नहीं की। 15 साल लगातार सत्ता में रहने के बाद किसी नेता या पार्टी के लिए चुनावी मुकाबला वैसे भी आसान नहीं रह जाता। एंटी–इन्कबेंसी से उत्पन्न चुनौतियां उसके सामने खड़ी होती हैं। ये सारे पहलू मिलकर इस बार ममता बनर्जी पर भारी पड़े। टीएमसी की ये उम्मीद कमजोर जमीन पर खड़ी नजर आई कि बांग्ला अस्मिता की प्रतिनिधि के रूप में खुद पेश कर वह शहिंदुत्व– हिंदीच्य पहचान वाली भाजपा को जीतने से रोक देगी। असम में ऐसी सोच एक दशक पहले ही गलत साबित हो चुकी थी। अब वहां भाजपा ने जीत की हैट–ट्रिक बनाई है। इस बार वह और बड़े बहुमत से सत्ता में लौट रही है। यह इस समझ की पुष्टि है कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा के नेतृत्व में उग्र हिंदुत्व और कैश ट्रांसफर के जरिए मतदाताओं को लुभाने की रणनीति वहां कामयाब बनी हुई है। इसके अलावा संभव है राज्य में हुए विवादास्पद परिसीमन का लाभ भी भाजपा को मिला हो। वैसे, इन बातों की आड़ लेकर कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों को जनता से दूर रहते हुए सियासत करने (टीएमसी अभी तक इसका अपवाद है) की अपनी कमजोरी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्हें देर–सबेर यह समझना होगा कि उनका मुकाबला बुल्डोजर जैसी एक चुनाव मशीनरी से है, जो जीत की राह में किसी नैतिक बाधा से बंधी हुई नहीं है।

जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता–पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने "मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः" का उद्घोष किया, जिस धरती से "वसुधैव कुटुम्बकम्" का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता–पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता–पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण–पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता–पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता–पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी–छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं। आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता–पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता–पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन–मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है। दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता–पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता–पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी "गलती" केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता–पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता–पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है। यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण–पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता–पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता–पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण–पोषण का आदेश दे सकती हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी सिर्फ एक छलावा मात्र है

संतोष

सत्य कभी–कभी कल्पना से भी कहीं ज्यादा विचित्र होता है। आज से पहले शायद ही कभी किसी ने ऐसा सोचा भी होगा कि एक दौर ऐसा आएगा जब लोगों में अपने आपको कॉकरोच कहने की होड़ लग जाएगी। देश भर में श्मैं भी कॉकरोचश जैसा एक बड़ा अभियान शुरू हो जाएगा। लोग, खासतौर से लाखों युवा श्मैं भी कॉकरोचश जैसे मीम्स और बैनरों के जरिए न केवल अपने आपको कॉकरोच कहने में गर्व महसूस करेंगे बल्कि हैशटैग के जरिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इसे ज्यादा से ज्यादा लोकप्रिय बनाने की भी कोशिश करेंगे।लेकिन ऐसा हुआ और इतनी तेजी से हुआ कि किसी को भी सोचने–समझने का मौका तक नहीं मिला। 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने जिस शब्दावली और तेवरों के साथ बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच के साथ जोड़ा, उससे देश में एक नया ही तूफान खड़ा हो गया। हालांकि अगले ही दिन जस्टिस सूर्यकांत ने अपनी टिप्पणी पर सफाई भी दे दी। लेकिन उसके बाद भी विरोध के स्वर बंद नहीं हुए। देशभर में सरकारी सिस्टम से नाराज लाखों युवा अलग–अलग अंदाज में लगातार अपना गुस्सा तो जाहिर कर ही रहे थे लेकिन देश की राजधानी दिल्ली से लगभग 11,500 किमी दूर बैठे एक भारतीय युवा अभिजीत दीपके (जो महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के रहने वाले हैं) के दिमाग में एक आइडिया आया और उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तुरंत कॉकरोच जनता पार्टी बना दी। इसके बाद देखते ही देखते भारत के लोकतंत्र में कुछ ऐसा होता हुआ नजर आया , जो इससे पहले किसी ने सोचा तक नहीं होगा। देखते–देखते सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कॉकरोच जनता पार्टी के फॉलोअर्स की संख्या 2 करोड़ 30 लाख तक पहुंचने वाली है। यह दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल होने का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की कुल संख्या 93 लाख से लगभग ढाई गुणा ज्यादा है। इस बीच पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी लगातार चर्चा में रहे। पार्टी के एक्स अकाउंट पर कभी रोक लगाई गई तो कभी वेबसाइट को डाउन करने का आरोप लगाया गया। जैसे ही लोगों ने इस पार्टी के इतिहास–भूगोल को खंगालना शुरू किया, सकते में आए अभिजीत दीपके ने तुरंत सफाई शुरू कर दी। इस बीच उन्होंने पार्टी के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज को हैक करने का दावा भी किया और जब यह ठीक हुआ तो विवाद पैदा करने वाले पार्टी के संस्थापक मेघनन्द को उनकी ही पार्टी फॉलो करना बंद कर चुकी थी। मतलब कहीं न कहीं, कुछ तो गड़बड़ है। कुछ तो ऐसा हो रहा है जो फिलहाल सामने से नजर नहीं आ रहा है लेकिन जिसका आभास तो हो ही रहा है। बीजेपी इस पार्टी को विदेशी धरती से चलने वाले विपक्षी दल का टूलकिट बता रही है तो वहीं कई वरिष्ठ पत्रकार और बौद्धिक जमात के लोग इसे बीजेपी की बी टीम के रूप में पेश कर रहे हैं। अभिजीत दीपके की भी कई हरकतें, संदेह पैदा कर रही है। अभिजीत द्वारा एक खास पार्टी के समर्थक माने जाने वाले पत्रकारों को ही इंटरव्यू देना, विवादित व्यक्ति को अनफॉलो कर पहले कुछ खास पत्रकारों को फॉलो करना और फिर उन्हें भी अनफॉलो कर देना। सोचिए जो व्यक्ति शुरुआत से ही इतना ज्यादा सेलेक्टिव हो,उसके पीछे कितनी बड़ी टीम या कितना बड़ा दिमाग काम कर रहा होगा जो भारत के लोकतांत्रिक आंदोलन के मिजाज, भारत की मेनस्ट्रीम और नई मीडिया(यूटूबर्स) की आदतों को कितनी अच्छी तरह से समझता है। आंदोलन के जरिए, देश में एक माहौल पैदा करने में बीजेपी और आम आदमी पार्टी दोनों को महारत हासिल है। दुर्भाग्यपूर्ण बात तो है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी जिसने देश पर सबसे ज्यादा राज किया है और जो वर्तमान में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है वो कांग्रेस बड़े स्तर पर आंदोलन चलाना और इसे लोकप्रिय बनाने के तौर–तरीके भूल चुकी है। यह भी गौर करने वाली बात है कि कॉकरोच जनता पार्टी को चंद बड़े पत्रकार अपने–अपने यूट्यूब चौनल पर जितना स्पेस दे रहे हैं उससे भी कहीं ज्यादा स्पेस मेनस्ट्रीम मीडिया दे रहा है। हाल के वर्षों में ऐसा कब हुआ था, याद करने की कोशिश कीजिए। इस लेख के लेखक ने अरविंद केजरीवाल के आंदोलन को बहुत ही शुरुआत से कवर किया था जिसकी सबसे खास बात यह थी कि प्रेस कांफ्रेंस के लिए आने वाले न्यौते में जिस केजरीवाल का नाम सबसे लास्ट में श्और अरविंद केजरीवालश लिखा आता था,उस पार्टी में अब सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही बचे रह गए हैं। याद कीजिएगा कि, उस दौर में भी अन्ना–अरविंद के आंदोलन पर सवाल उठाने वाले हर व्यक्ति को करप्ट व्यक्ति के तौर पर ही देखा जाने लगा था और आज भी अगर आप कॉकरोच जनता पार्टी से सवाल पूछते हैं तो एक खास इको–सिस्टम के लोग (पत्रकार भी) तुरंत सामने आकर आपकी निष्ठा पर सवाल उठाते हुए पूछने लगते हैं कि आखिर कॉकरोच जनता पार्टी से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है? लेकिन ऐसा कहने वाले लोग पुरानी कहावत को भूल जाते हैं कि श दूध का जला छाछ भी फूंक–फूंककर पीता हैश। वैसे भी लोकतंत्र की पहली शर्त तो यही होती है,श सवाल पूछने की आजादीश और सवालों से ऊपर कोई भी नहीं हो सकता है। जो भी नेता या संगठन अपने आपको सवालों से ऊपर उठाने की कोशिश करता है,उसका एक ही संदेश निकलता है कि उसकी नियत साफ नहीं है। यह बात बिल्कुल सही है कि सरकार के कामकाज को लेकर लोगों में खासकर युवाओं में बहुत गुस्सा है।

पेट काटकर जनता बचाए, मोदीशाही अमेरिका की भेंट चढ़ाए

राजेंद्र

प्रौद्योगिकी के नाम पर भारत पर, रणनीतिक सहयोग के नाम पर रक्षा प्रौद्योगिकी से लेकर, नागरिक विमानों तथा नाभिकीय उपकरणों की जो बढ़ती हुई खरीद थोपी जा रही थी, उसे अगर हम फिलहाल छोड़ भी दें तो, ऊर्जा और कृषि, ऐसे क्षेत्र

हैं जिनमें अमेरिका से आयात न्यूनतम ही रहे हैं। वास्तव में कृषि के क्षेत्र में अमेरिका से आयातों से तो भारत बहुत ही सचेत रूप से अब तक बचता आ रहा था क्योंकि इसका सीधा असर करोड़ों किसानों पर पड़ेगानरेंद्र मोदी के राज ने जिस एक चीज में सबसे ज्यादा महारत हासिल की है, वह यह है कि वास्तव में यह सरकार जो करती है, उससे ठीक उल्टा करने का ढोल पीटती है। इसका ताजातरीन उदाहरण, अमेरिकी विदेश सचिव (मंत्री) मार्को रूबियो की हाल की भारत यात्रा के दौरान, बहुत ही गाढ़े रंग से रेखांकित होकर सामने आया है। बेशक, अमेरिकी विदेश मंत्री का जिस तरह लाल कालीन बिछाकर स्वागत किया गया, उसमें भी बहुत कुछ ऐसा था, जिसकी अस्वाभाविकता विदेश संबंधों के अनेक जानकारों की आंखों में खटकी है। सामान्य प्रोटोकॉल यह है कि बाहर से आने वाले किसी भी मेहमान मंत्री की, पहले मेजबान देश के अपने समकक्ष या समकक्षों से विस्तृत वार्ताएं होती हैं और इन वार्ताओं में ही वास्तविक निर्णयों पर पहुंचा जाता है। बाद में मेहमान मंत्री की मुलाकात, जो रस्मी और संक्षिप्त होती है, कार्यपालिका के मुखिया से होती है, जिसमें मेहमान अगर मेजबान देश के शीर्ष नेता के लिए अपने देश के शासन प्रमुख का कोई संदेश लाया हो तो वह संदेश देता है और अगर कोई समझौते हो रहे हों, तो उन पर औपचारिक रूप से मोहर लगायी जाती है।लेकिन, अमेरिकी विदेश सचिव के लिए इस सामान्य प्रोटोकॉल को परे खिसकाना जरूरी समझा गया। कोलकाता में उतरने के बाद, दिल्ली पहुंचने पर रूबियो की मुलाकात सीधे प्रधानमंत्री मोदी से हुई। इस मुलाकात के समय भारत के विदेश मंत्री तथा वाणिज्य मंत्री भी मौजूद थे और यह मुलाकात एक घंटे से लंबी चली बताते हैं। जाहिर है कि अभिवादन, अभिनंदन, संदेशों के आदान–प्रदान का सिलसिला तो इतनी देर तक नहीं चल सकता था। ऐसा लगता है कि वार्ताओं के मुख्य सूत्र, सीधे प्रधानमंत्री के साथ इस बातचीत में ही तय किए गए होंगे। बेशक, यह मोदी सरकार में प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में लगभग सारे निर्णय केंद्रित कर दिए जाने की सच्चाई को भी दिखाता है। लेकिन, यह वर्तमान भारत–अमेरिका रिश्ते की नाबराबरी को भी दिखाता है, जहां सरकार खुद ही यह मानकर चलती नजर आती है कि प्रधानमंत्री को लाख प्रिय होने के बावजूद, भारतीय विदेश मंत्री को, अमेरिकी विदेश मंत्री की बराबर में नहीं बैठाया जा सकता। उससे तो खुद प्रधानमंत्री की वार्ताएं होना जरूरी है। संभवतरू सत्तर के दशक की एक बंबईया फिल्म का गीत इस भावना का पूरी तरह से बयान कर सकेकृबंबई से आया मेरा दोस्त, दोस्त को सलाम करो! वाशिंगटन से आया दोस्त, उसका खास स्वागत तो होना ही था!लेकिन, रिश्ते की नाबराबरी सिर्फ प्रोटोकॉल के उलटफेर पर तो रुकने वाली थी नहीं। अमेरिकी विदेश सचिव की नजरों में उनकी यात्रा का जो हासिल रहा, उसमें यह नाबराबरी भारत के लिए अपने और घातक रूप में सामने आ जाती है। अपने एक ट्विटर संदेश में रूबियो ने भारत में अमेरिका के राजदूत तथा अमेरिकी कूटनीतिज्ञों के प्रयासों की सराहना करने के बहाने से, सार्वजनिक रूप से इसकी याद दिलायी कि, श्भारत ने अगले पांच वर्ष में 500 अरब डालर के अमेरिकी माल खरीदने का वचन दिया है, जिसके केंद्र में ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और कृषि (उत्पाद) होंगे।श जाहिर है कि अमेरिकी विदेश सचिव की नजरों में भारत को इसके लिए वचनबद्घ करना, श्राष्ट्रपति ट्रम्प और अमेरिकी जनता के हित में जबर्दस्त काम हैश जिसके लिए वह अपने देश के प्रतिनिधियों की पीठ ठोक रहे थे।जैसा कि जाने–माने अर्थशास्त्री, प्रोफेसर प्रभात पटनायक ने बलपूर्वक रेखांकित किया है, किसी आर्थिक समझौते के नाम पर अमेरिका द्वारा अपने मालों की खरीद की ऐसी शर्त थोपा जाना, भारत–अमेरिका रिश्तों में साधारण नाबराबरी का ही नहीं, वास्तव में ऐसी नाबराबरी का भी द्योतक है, जो औपनिवेशिक दौर की याद दिलाती है। औपनिवेशिक दौर में ही उपनिवेशकर्ता देश, अपने उपनिवेशों पर अपने मालों की खपत थोपने के जरिए, निरुद्योगीकरण थोपता था ताकि उसके बल पर, उसकी औद्योगिक तरक्की की गाड़ी के चक्के चलते रहें। कहने की जरूरत नहीं है कि भारत के सिर पर पहले ऊंचे टैरिफ की तलवार लटकाने और उसके बाद, टैरिफ की दर कम करने के एवज में भारत से सरासर इकतरफा व्यापार रियायतें हासिल करने के लिए ट्रंप निजाम द्वारा थोपे गए व्यापार समझौते में, अमेरिका ने भारतीय मालों के लिए ऐसी कोई वचनबद्घता स्वीकार नहीं की है। यह तब है जबकि अब तक भारत, अमेरिका के साथ व्यापार में लाभ कमाता आ रहा था यानी अमेरिका से जितना आयात कर रहा था, उससे ज्यादा अमेरिका को निर्यात कर रहा था। जाहिर है कि ट्रम्प प्रशासन भारत के व्यापार लाभ को, व्यापार घाटे में तब्दील करने का इंतजाम कर रहा है। और यह व्यापार घाटा भी बहुत भारी होने वाला है। याद रहे कि 31 मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में भारत का कुल विदेश व्यापार घाटा 119.3 अरब डालर का था। वास्तव में यह घाटा इससे पहले के वर्ष के 94.66 अरब डालर से बढ़कर इस स्तर पर पहुंचा था। इस बढ़ते हुए व्यापार घाटे को, अमेरिका से 100 अरब डालर के माल हर साल खरीदने की बाध्यता, किस स्तर पर पहुंचा देगी, इसका अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है। यह भी याद रहे कि कुल विदेश व्यापार से भिन्न, जिसमें सेवाओं का निर्यात एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, मालों के व्यापार में भारत का घाटा और भी बढ़ा है। 2025–26 में यह घाटा 333. 19 अरब डालर का था, जो उससे पहले के साल के 283.50 अरब डालर से ठीक–ठाक बढ़ोतरी को दिखा रहा था। अमेरिका से 100 अरब डालर सालाना के माल खरीदने की बाध्यता, जाहिर है कि इस असंतुलन को और बढ़ा देगी। एक अनुमान के अनुसार, इससे भारत का व्यापार घाटा दोगुना तक हो सकता है। जाहिर है कि यह एक ही झटके में भारत की विदेशी मुद्रा संसाधनों की बाल्टी की तली में बहुत बड़ा छेद किए जाने का मामला है। लेकिन, इसी महीने के शुरू में, विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के फौरन बाद, पांच दिन की विदेश यात्रा पर निकलने से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने पहले हैदराबाद में और फिर गुजरात में अपने भाषणों में जनता से कमखर्ची बल्कि कटौती करने की जो, देशभक्ति की दुहाई से भरी भावपूर्ण अपील की थी, उसका सार क्या था? विदेशी मुद्रा बचाओ! एक साल सोना न खरीदने या एक साल विदेश यात्रा न करने से लेकर, पेट्रोल–डीजल बचाने तक ही नहीं, खाने में कम तेल खाने से लेकर, रासायनिक खादों का कम उपयोग करने तथा वर्क फ्रॉम होम करने तक, सभी मांगों का एक ही लक्ष्य थाकृविदेशी मुद्रा बचाना! दूसरे शब्दों में, एक ओर तो प्रधानमंत्री द्वारा जनता से कष्टङ्क उठाकर और उपभोग घटाकर विदेशी मुद्रा बचाने की मांग की जा रही थी, ताकि बाल्टी के छोटे–छोटे छेद बंद किए जा सकें और दूसरी ओर, उन्हीं की सरकार ट्रंप के श्मेक अमेरिका ग्रेट अगेनश की कामयाबी में अपने योगदान के तौर पर, विदेशी मुद्रा की बाल्टी की तली ही निकालने की व्यवस्था कर रही थी।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर संजीवनी बना डायल 1033

कल्पना कीजिए, आप एक खूबसूरत सफर पर हैं। चारों तरफ फैली खुली शानदार सड़क, रफ्तार पकड़ती गाड़ी और गुनगुनाता सुहाना मौसम। सब कुछ एकदम मुकम्मल लगता है। लेकिन अचानक, अगले ही मोड़ पर कोई अनहोनी हो जाए... । कई बार हाइवे पर हुआ एक अनचाहा हादसा पल भर में जिंदगी की खुशियों को मातम में बदल देता है। ऐसे किसी अनजान और सुनसान सफर पर, जहां दूर–दूर तक कोई अस्पताल या मदद नजर नहीं आती, वहां मोबाइल की स्क्रीन पर चमकता एक नंबर उम्मीद की सबसे बड़ी किरण बनकर उभरता है– 1033। आज देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर यह चार अंकों का नंबर महज एक हेल्पलाइन नहीं, बल्कि हजारों–लाखों मुसाफिरों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है। संकट के समय फरिश्ता बनती है एक कॉल हाइवे पर दुर्घटना होने के बाद जो सबसे पहला घंटा होता है, उसे चिकित्सा विज्ञान में गोल्डन ऑवर कहा जाता है। इस एक घंटे के भीतर अगर घायल को सही इलाज मिल जाए, तो उसकी जान बचने की संभावना 80 फीसदी तक बढ़ जाती है। 1033 इसी गोल्डन ऑवर का रक्षक है। जैसे ही कोई इस नंबर पर डायल करता है, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) का कॉल सेंटर तुरंत हरकत में आ जाता है। जीपीएस ट्रैकिंग के जरिए हादसे की सटीक लोकेशन ट्रेस की जाती है और चंद मिनटों के भीतर एम्बुलेंस मौके पर पहुंचती है। घायलों को नजदीकी ट्रॉमा सेंटर या अस्पताल पहुंचाया जाता है। साथ ही रास्ता साफ करने के लिए क्रेन और पेट्रोलिंग गाड़ियां तैनात हो जाती हैं। महज 7 से 10 मिनट में आ गई एम्बुलेंस एनएचएआई के 1033 सेवा का लाभ लेने वाले श्री नितिन वर्मा बताते हैं, मैं रायपुर से बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में सफर कर रहा था। दोपहर 2 बजे के करीब हाइवे पर मेरी गाड़ी का एक्सीडेंट हुआ, मोबाइल में नेटवर्क भी कम था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहां हूं? मैंने 1033 लगाया, और महज 7 से 10 मिनट में एम्बुलेंस मेरे सामने थी। वो नंबर नहीं, मेरे लिए संजीवनी से कम नहीं था। सिर्फ हादसा नहीं, हर मुश्किल का हल है 1033 आमतौर पर लोग सोचते हैं कि यह नंबर सिर्फ एक्सीडेंट के समय काम आता है, लेकिन असल में यह हाइवे पर आपका सबसे भरोसेमंद साथी है। आप कई विपरीत स्थितियों में भी इसकी मदद ले सकते हैं। रात के सन्नाटे में अगर गाड़ी का टायर पंचर हो जाए या इंजन फेल हो जाए, हाइवे पर कोई पेड़ गिर गया हो, मवेशी आ गए हों या कोई भारी मलबा पड़ा हो, यात्रा के दौरान अगर अचानक किसी सहयात्री की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ जाए, टोल प्लाजा या फास्टैग संबंधी कोई समस्या हो या हाइवे पर असुरक्षा महसूस हो रही हो... तो भी 1033 सेवा का लाभ लिया जा सकता है।

अनुभवों की जुबानी, संजीवनी की कहानी रात के सन्नाटे में भारी ट्रक का टायर फटा, 1033 ने दी राहत

ट्रक ड्राइवर श्री गुरदीप सिंह अपने अनुभव साझा करते हैं, बात रात के करीब 09रू45 बजे की है। मैं अपना भारी–भरकम ट्रक लेकर रायपुर से बिलासपुर की ओर बढ़ रहे था। अचानक एक जोरदार आवाज के साथ ट्रक का टायर फट गया। भारी वाहन और ऊपर से रात का सन्नाटा.. ऐसी स्थिति में हाइवे के किनारे ट्रक खड़ा करना और मदद ढूंढना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था। मैने बिना वक्त गंवाए 1033 पर कॉल किया। एनएचएआई की टीम ने तुरंत मेरी लोकेशन ट्रेस की और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने न सिर्फ क्रेन और तकनीकी मदद का इंतजाम किया, बल्कि जब तक काम पूरा नहीं हुआ, वहां सुरक्षा सुनिश्चित की, ताकि कोई और बड़ा हादसा न हो। जब जाम हो गया चक्का तो पेट्रोलिंग टीम ने बढ़ाया मदद का हाथ बिलासपुर–नागपुर रूट के मुसाफिर श्री एस.पी. चौबे ने बताया, हम अपनी कार से सफर कर रहे थे कि अचानक गाड़ी पंचर हो गई। जब स्टेपनी बदलने की बारी आई, तो एक नई मुसीबत खड़ी हो गई। बहुत दिनों से पहिया खुला नहीं था, इसलिए वह बुरी तरह जाम हो चुका था। मेरा ड्राइवर पसीने से तर–बतर होकर उसे खोलने की नाकाम कोशिश कर रहा था, लेकिन वह टस से मस नहीं हो रहा था। हाइवे के किनारे खड़ी हमारी गाड़ी और ड्राइवर की जद्दोजहद को वहां से गुजर रही 1033 की रूट पेट्रोलिंग व्हीकल टीम ने खुद देख लिया।

टीम के जवान तुरंत हमारे पास रुके। उन्होंने न सिर्फ अपनी गाड़ी से जरूरी हैवी टूल्स (औजार) निकाले, बल्कि खुद आगे बढ़कर जाम हो चुके चक्के को खोला, टायर बदला और हमारी गाड़ी को रवाना किया। उनके इस अपनेपन और मुस्तैदी ने हमारा दिल जीत लिया। भारी ट्रेलर का ब्रेक हुआ जाम, मुस्तैदी से टला बड़ा खतरा हाइवे पर सुरक्षा सिर्फ छोटे वाहनों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारी–भरकम कमर्शियल वाहनों के लिए भी 1033 एक सुरक्षा कवच है। ऐसा ही एक मामला बिलासपुर से महासमुंद की ओर जा रहे विशाल ट्रेलर के ड्राइवर श्री शिवम यादव के साथ हुआ। उनके ट्रेलर का ब्रेक अचानक जाम हो गया और गाड़ी में जरूरी एयर प्रेशर नहीं बन पा रहा था। बीच हाइवे पर इतने बड़े वाहन का इस तरह रुकना बेहद खतरनाक था। सूचना मिलते ही 1033 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। भारी ट्रेलर के पीछे से आ रही तेज रफ्तार गाड़ियों को सचेत करने के लिए टीम ने सेफ्टी कोन और चेवरॉन साइन बोर्ड लगाए, ताकि एक सुरक्षित बफर जोन बन सके। इस हाई–प्रोफेशनल ट्रैफिक मैनेजमेंट की वजह से न तो हाइवे पर जाम लगा और न ही कोई दुर्घटना हुई। ट्रेलर को सुरक्षित तरीके से सुधरवाने की व्यवस्था की गई।

सरल, आसान और सुविधाजनक

1033 की सबसे खास बात इसकी सरलता और गति है। यह सेवा 24 घंटे, सातों दिन काम करती है। इसमें भाषा की कोई दीवार नहीं है। स्थानीय भाषाओं से लेकर हिंदी और अंग्रेजी, हर भाषा में यहां मदद मिलती है। टोल–फ्री होने के कारण मोबाइल में बैलेंस न होने पर भी इस पर कॉल की जा सकती है।

बदलते भारत के साथ हमारे हाइवे आधुनिक और हाई–स्पीड हो रहे हैं, लेकिन रफ्तार के इस दौर में सुरक्षा सबसे अहम है। अगली बार जब आप किसी लंबे सफर पर निकलें, तो अपनी गाड़ी की डिक्की चेक करने के साथ–साथ अपने दिमाग और मोबाइल की स्पीड डायल लिस्ट में 1033 को जरूर सेव कर लें। क्योंकि जब हाइवे पर मुश्किलें रास्ता रोकती हैं, तो यही चार अंक संजीवनी बनकर जिंदगी की रफ्तार को थमने नहीं देते।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए पूर्वांचल विश्वविद्यालय की नई पहल `साथी' शुरू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 'साथी' नामक नई पहल शुरू की है। विश्वविद्यालय के वैलनेस सेंटर द्वारा संचालित इस अभियान का जागरूकता पोस्टर बुधवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने जारी किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों को शैक्षणिक चुनौतियों के साथ–साथ मानसिक और भावनात्मक दबाव का भी सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का दायित्व है कि वह छात्रों को सुरक्षित, संवेदनशील और भरोसेमंद वातावरण उपलब्ध कराए। स्वस्थ मन ही बेहतर शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की नींव है और विश्वविद्यालय चाहता है कि प्रत्येक छात्र स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और समर्थ महसूस करे। वैलनेस सेंटर के समन्वयक एवं व्यावहारिक मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने बताया कि जारी पोस्टर के माध्यम से विद्यार्थियों को मानसिक तनाव, अवसाद, भय अथवा किसी भी प्रकार की परेशानी को मन में दबाने के बजाय साझा करने का संदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि आज बड़ी संख्या में युवा परीक्षा और करियर के दबाव, असफलता के डर, घर की याद, रिश्तों में तनाव, साइबर बुलिंग और भविष्य को लेकर चिंता जैसी समस्याओं से प्रभावित हो रहे हैं। 'साथी' पहल का उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों को समय पर परामर्श, भावनात्मक सहयोग और पेशेवर सहायता उपलब्ध कराना है। यह पोस्टर सोशल मीडिया के साथ–साथ छात्रावासों के कमरों, अध्ययन कक्षों और विभागों के डिस्प्ले बोर्ड पर भी लगाया जाएगा। वैलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने बताया कि विद्यार्थियों की सभी बातचीत पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी तथा उन्हें बिना किसी भेदभाव और पूर्वाग्रह के सहायता प्रदान की जाएगी। इस पहल के सफल संचालन के लिए विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग और वैलनेस सेंटर के विशेषज्ञों की टीम लगातार कार्य कर रही है।

दूल्हा हत्याकांड फरार आरोपितों के सरेंडर की आशंका से डरे परिजन, बहन ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । खेतासराय क्षेत्र में एक मई को हुए चर्चित दूल्हा आजाद बिंद हत्याकांड में फरार आरोपितों के कोर्ट में सरेंडर करने की आशंका से मृतक के परिजन डरे हुए हैं। मृतक की बहन सौम्या बिंद लगातार प्रशासनिक अधिकारियों से मिलकर न्याय की मांग कर रही हैं। बुधवार को उन्होंने जिलाधिकारी सैमुअल पाल से मुलाकात कर अपनी चिंता जाहिर की। सौम्या बिंद ने कहा कि उन्हें भय है कि फरार आरोपित भोले राजभर और प्रदीप बिंद कहीं कोर्ट में सरेंडर न कर दें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पुलिस मुठभेड़ में आरोपी रवि यादव मारा गया, उसी तरह अन्य आरोपितों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उनका कहना था कि यदि आरोपित न्यायालय में आत्मसमर्पण कर देते हैं तो पीड़ित परिवार को वर्षों तक कोर्ट–कचहरी के चक्कर लगाने पड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मामले को जातीय रंग देने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। रवि यादव के परिजनों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को उन्होंने निराधार बताया। सौम्या ने सवाल उठाया कि यदि रवि यादव निर्दोष था तो वह घटना के बाद फरार क्यों था। उन्होंने दावा किया कि रवि यादव पहले भी हत्या की घटना में शामिल रहा था। उधर, चर्चित हत्याकांड में फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। एसओजी, सर्विलांस और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमें कई जिलों में छापेमारी कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्य आरोपित प्रदीप बिंद द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट में सरेंडर संबंधी प्रार्थना पत्र दिए जाने की चर्चा है, जबकि भोले राजभर ने जिला न्यायालय में अर्जी दाखिल की है। इसके बाद पुलिस ने निगरानी और तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि आरोपितों तक पहुंचने के लिए नई रणनीति बनाई जा रही है। रवि यादव तक पहुंचने में शामिल टीमों के सदस्यों को अलग–अलग टीमों में शामिल कर दोबारा नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही दोनों फरार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले में शामिल लोगों पर रासुका और गैंगस्टर की कार्रवाई की भी तैयारी चल रही है।

कपड़े की थोक दुकान में आग25 लाख रुपये का माल जलकर राख, शॉर्ट सर्किट की आशंका

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । यूपी के जौनपुर स्थित नगर कोतवाली अंतर्गत क्षेत्र स्थित मानिक चौक पर एक कपड़े की थोक दुकान में मंगलवार देर रात संदिग्ध परिस्थितिओ में भीषण आग लग गई। इस घटना में लगभग 25 लाख रुपये का तैयार माल जलकर खाक हो गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।यह दुकान राजेंद्र प्रसाद के बेटे अरविंद कुमार की है, जो मूल रूप से दूधुरा गांव के निवासी हैं। अरविंद कुमार के अनुसार, आग लगने के समय दुकान में कुल 25 लाख रुपये का माल मौजूद था। देर रात शटर से धुआं निकलता देख आसपास के व्यापारियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि, तब तक दुकान में रखे कपड़े, बिल, नकदी और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे। एफएसओ नागेंद्र नाथ द्विवेदी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है, जिसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो पाएगी। दुकान मालिक के अनुसार

? शादी–विवाह के सीजन के कारण दुकान पूरी तरह भरी हुई थी, जिससे नुकसान और बढ़ गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना का मुआयना किया और दुकान मालिक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है।

चीखों ने तोड़ा भोर का सन्नाटा, हाईवे पर मौत का मंजर लाशें देख कांप गए लोग

लखनऊ, (संवाददाता)। कैंची धाम के दर्शन का सपना लिए भोर के अंधेरे में शांत हाईवे पर इनोवा में बैठे युवक फर्राटा भर रहे थे। अचानक धड़ाम की आवाज हुई और सन्नाटा चीखों में बदल गया। एक पल में सब कुछ खत्म हो गया। चार युवक इस दुनिया से रुखसत हो गए और तीन जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। यह कहानी नहीं, बल्कि हकीकत है मंगलवार को तड़के यूपी के बाराबंकी में हुए सड़क हादसे की। धड़ाम की आवाज इनोवा के खड़े ट्रक में टकराने के बाद आई थी। बताया गया कि इनोवा सवार युवक वाराणसी से कैंची धाम दर्शन करने के लिए निकले थे। तड़के करीब 3.00 बजे उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। हादसा लखनऊ–सुल्तानपुर हाईवे पर हैदरगढ़ क्षेत्र में भिखरा गांव के पास हुआ। घटना के बाद राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने कार में फंसे युवकों को बाहर निकालना शुरू किया। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। वहां पर तीन की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर, लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। वहीं चार को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतकों में इनोवा सवार गाजीपुर के गैबीपुर निवासी राहुल सिंह (35), चंदौली के मुगलसराय निवासी राहुल कुमार (36), बलिया के रामपुर रसड़ा निवासी सत्यम (38) और ट्रक खलासी गाजीपुर निवासी सूरज यादव (30) शामिल हैं। जबकि, मिर्जापुर के चुनार निवासी चंदन सिंह (35) और पंकज सिंह (34), बलिया के बेला निवासी प्रशांत की हालत नाजुक बनी हुई है। खबर मिली तो परिजन भी रोते बिलखते पहुंचे। लोग यही कहते रहे कि जो युवक सुबह मंदिर में माथा टेकने वाले थे, उनके घरों में अब अंतिम यात्रा की तैयारी हो रही है। मौके के दृश्यों ने मौजूद लोगों को अंदर तक झकझोर दिया। प्रथम दृष्टया झपकी आने से हादसा होने का अंदेशा लगाया जा रहा है।

ग्राम पंचायतों में चौपाल आयोजन किया

जौनपुर।– शासन के निर्देश के क्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से "गांव की समस्या, गांव में समाधान" कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को 02 ग्राम पंचायतों में चौपाल आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. के निर्देश पर विकास खंडवार रोस्टर जारी कर जनपद स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार आयोजित होने वाली जन चौपाल हेतु नामित अधिकारी 27 मई 2026 को संबंधित ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर ग्रामीणों की शिकायतों का संकलन करेंगे तथा प्राप्त शिकायतों का वर्गीकरण राजस्व, विकास, चिकित्सा, गृह (पुलिस) एवं अन्य विभागों के अनुसार करेंगे। इसके उपरांत 29 मई, 2026 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से जन चौपाल में विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। जारी रोस्टर के अनुसार विकास खंड केराकत की ग्राम पंचायत नरहन में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड तथा ग्राम पंचायत सुल्तानपुर में जिला क्रीड़ा अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। विकास खंड मछलीशहर की ग्राम पंचायत जरौना में जिला आबकारी अधिकारी तथा ग्राम पंचायत रामपुर चौथार में उप निदेशक कृषि को दायित्व सौंपा गया है। विकास खंड सिकरारा की ग्राम पंचायत लखेसर में जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी तथा ग्राम पंचायत सिकंदरा में जिला बाट–माप अधिकारी को नामित किया गया है। विकास खंड सुजानगंज की ग्राम पंचायत सलारपुर में अधिशासी अभियंता लोनिवि नि0ख0 तथा ग्राम पंचायत प्तहना में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार विकास खंड मुंगराबादशाहपुर की ग्राम पंचायत भीखपुर में जिला समाज कल्याण अधिकारी तथा ग्राम पंचायत पकड़ी में अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई को जिम्मेदारी सौंपी गई है। विकास खंड खुटहन की ग्राम पंचायत तिसौली में जिला विद्यालय निरीक्षक तथा ग्राम पंचायत शेरपुर में अधिशासी अभियंता नलकूप खंड को नामित किया गया है। विकास खंड रामनगर की ग्राम पंचायत मैनपुर में जिला कार्यक्रम अधिकारी (बाल विकास एवं पुष्टाहार) तथा ग्राम पंचायत हरसिंहपुर में अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड को दायित्व सौंपा गया है। विकास खंड बक्शा की ग्राम पंचायत कटहरी में भूमि संरक्षण अधिकारी प्रथम तथा ग्राम पंचायत शेषपुर में उपायुक्त उद्योग को दायित्व सौंपा गया है। विकास खण्ड महराजगंज की ग्राम पंचायत बैरमा में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं ग्राम पंचायत बनकट भरथी में जिला गन्ना अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। विकास खंड डोभी की ग्राम पंचायत पनिहर में जिला पूर्ति अधिकारी एवं ग्राम पंचायत हिसामपुर में जिला कृषि अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। विकास खण्ड शाहगंज की ग्राम पंचायत दनापुर में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग खंड–2 एवं ग्राम पंचायत ढ़ढवारा खुर्द में जिला आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी को नामित किया गया है। विकास खण्ड सुईथाकलां में ग्राम पंचायत बासूपुर में जिला सेवायोजन अधिकारी तथा ग्राम पंचायत जंगीपुर में जिला होम्योपैथिक अधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। विकास खंड मड़ियाहूँ में ग्राम पंचायत दबिलहा में जिला पंचायत राज अधिकारी एवं ग्राम पंचायत पली में अधिशासी अभियंता शारदा सहायक खंड–36, विकास खंड रामपुर के ग्राम पंचायत रेंहरा में जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं ग्राम मुरकटिया में अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) तथा विकास खंड करंजाकला के ग्राम पंचायत बबरखॉ में सहायक श्रमायुक्त एवं ग्राम छुन्छा में जिला युवा कल्याण अधिकारी को नामित किया गया है।

विकास खंड बदलापुर के ग्राम पंचायत पटटी दयाल में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं ग्राम बडेघरी में अधिषासी अभियन्ता आरईडी, विकास खंड बरसठी के ग्राम पंचायत में भगेरी में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एवं ग्राम खडवाधावा में अधिशासी अभियन्ता ल0सि0, विकास खंड मुफ्तीगंज के ग्राम पंचायत बेलांव में सहायक आयुक्त एवं निबन्धन, सहकारिता एवं ग्राम सकरा में अधिशासी अभियन्ता, जलनिगम शहरी, विकास खंड धर्मापुर के ग्राम पंचायत उत्तरगॉवा में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं कबीरुददीनपुर में भूमि संरक्षण अधिकारी–द्वितीय, विकास खंड सिरकोनी के ग्राम पंचायत भोडा खास में अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत एवं ग्राम रसूलपुर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य को नामित किया गया है, इसीप्रकार विकास खंड जलालपुर के ग्राम पंचायत भवनाथपुर में जिला खाद एवं विपणन अधिकारी एवं ग्राम पंचायत थौर में जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी को नामित किया गया है। इसी प्रकार 05 जून, 12 जून एवं 19 जून 2026 को भी अन्य ग्राम पंचायत में जन चौपाल का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। जिससे ग्रामीणों की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी द्वारा समस्त नामित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि चौपाल आयोजन की समस्त कार्यवाही उसी दिवस रूरल सॉफ्ट पोर्टल पर फीड कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा किसी भी जन चौपाल का आकस्मिक निरीक्षण किया जा सकता है।

औद्योगिक विकास को गति देने के लिए डीआईसी अधिकारियों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में जिला स्तर पर औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए इन्वेस्ट यूपी ने सोमवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ में जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) अधिकारियों, संयुक्त आयुक्त उद्योग, क्षेत्रीय प्रबंधकों तथा औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के नोडल अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने किया। इस अवसर पर इन्वेस्ट यूपी की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेरणा शर्मा भी उपस्थित रहीं।प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए दीपक कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को "सर्वोत्तम प्रदेश" बनाने के विजन तथा विकसित भारत–2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य में प्रदेश की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि पारदर्शी शासन, मजबूत कानून व्यवस्था और निवेशकों को सक्रिय सहयोग आज उत्तर प्रदेश के औद्योगिक परिवर्तन के प्रमुख आधार बन चुके हैं।उन्होंने डीआईसी अधिकारियों की भूमिका को नीति निर्माण और जमीनी क्रियान्वयन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए उद्यमियों का मार्गदर्शन करने, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल को और मजबूत बनाने तथा वैश्विक कार्यप्रणालियों को अपनाकर समावेशी औद्योगिक विकास को गति देने का आह्वान किया।'लर्निंग जर्नी ऑफ डीआईसी' विषय पर आधारित यह कार्यशाला तीसरे और अंतिम बैच की शुरुआत है। राज्य स्तरीय इस कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक लगभग 122 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर संस्थागत क्षमता को मजबूत करना, कारोबार सुगमता व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा प्रदेश के ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को आगे बढ़ाना है।अगले पांच दिनों में प्रतिभागी अधिकारियों को व्यवहारिक नेतृत्व, वित्त एवं निवेश प्रशासन, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल रूपांतरण, संचार रणनीतियों और उभरते औद्योगिक रुझानों पर गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह कार्यक्रम जिला स्तर के अधिकारियों को निवेशक सुविधा, नीति क्रियान्वयन और औद्योगिक विकास को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक प्रशासनिक दृष्टिकोण और व्यावहारिक कौशल से सशक्त करेगा।

व्यावसायिक शिक्षा में 25 से कम प्रवेश पर प्रधानाचार्यों पर होगी कार्रवाई

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के विद्यालयों में कक्षा 9 से 12 तक व्यावसायिक शिक्षा अनिवार्य की गई है। पिछले साल से शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया में कई जगह लापरवाही सामने आई है। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए कड़े निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने कहा है कि व्यावसायिक कोर्स की ट्रेडों में 25 से कम प्रवेश होने पर प्रधानाचार्य का दायित्व तय होगा। उन पर विधिक कार्रवाई भी की जाएगी। यह कवायद छात्रों को रोजगार और स्वरोजगार के लिए तैयार करने के लिए है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने 9वीं और 11वीं में व्यावसायिक शिक्षा की पढ़ाई अनिवार्य की है। इसमें अधिक से अधिक छात्रों को विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश दिलाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद चयनित विद्यालयों में कुछ प्रधानाचार्यों ने जानबूझकर छात्रों का प्रवेश नहीं लिया है। इससे छात्र संख्या काफी

कम हो रही है, जिस पर विभाग ने नाराजगी जताई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक महेंद्र देव ने सभी डीआईओएस से कहा है कि व्यावसायिक शिक्षा योजना के तहत कम से कम 25 छात्र संख्या निर्धारित है। विशेष परिस्थिति में यह संख्या 10 हो सकती है। निदेशक ने छात्रों को व्यावसायिक ट्रेडों में अधिक से अधिक प्रवेश लेने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा है। प्रधानाचार्यों को भी इस संबंध में निर्देश जारी किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि 25 से कम छात्र संख्या होने पर संबंधित प्रधानाचार्य पर विधिक कार्रवाई होगी। इसकी जानकारी निदेशालय को भी देनी होगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने विषय विशेषज्ञों के साथ उपेक्षापूर्ण व्यवहार पर भी नाराजगी व्यक्त की है। चयनित विद्यालयों में इन विशेषज्ञों को लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में ड्यूटी नहीं दी जा रही है।

श्रीकांत वर्मा की पुण्यतिथि पर साहित्यकार सम्मानित

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी स्थित हिंदी संस्थान में सोमवार को एकाग्रता इंटरनेशनल फाउंडेशन और श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में साहित्यकार सम्मेलन और सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में साहित्यकार श्रीकांत वर्मा की पुण्यतिथि पर उनके साहित्यिक और राजनीतिक योगदान को याद किया गया। मुख्य अतिथि दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि श्रीकांत वर्मा सत्ता, राजनीति, समाज और मानवीय संघर्ष की आवाज थे। राज्य सूचना आयुक्त दिलीप अग्निहोत्री ने उनकी भाषा को सहज और अर्थपूर्ण बताया। खादी मंत्री राकेश कुमार सचान ने कहा कि गजानन माधव मुक्तिबोध और नरेश मेहता के साथ जुड़कर उन्होंने हिंदी साहित्य को नई दिशा दी। डॉ. शक्ति कुमार पांडेय, हिमांशु पांडेय, गार्गी तिवारी और मुरलीधर आहूजा ने भी विचार रखे। समारोह में पद्मश्री विद्या विंदु सिंह, डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित, सूर्य कुमार पांडेय समेत कई साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

किराने की दुकान में लगी, छह लाख का नुकसान

लखनऊ, (संवाददाता)। अमौसी गांव में रविवार देर रात सुशील कुमार की किराने की दुकान में आग लग गई। दमकल की एक गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। सुशील कुमार का कहना है कि इस घटना से उन्हें छह लाख रुपये का नुकसान हुआ है। सुशील कुमार के घर के अगले हिस्से में परचून, इलेक्ट्रिक सामान और स्टेशनरी की दुकान है। रविवार रात करीब 11 बजे वह दुकान बंद कर दी थी। रात करीब एक बजे उनके बेटे ऋषि ने दुकान से आग की लपटें देखीं। उसने तुरंत शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग एकत्र हो गए। लोगों ने सबमर्सिबल से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। सरोजनीनगर फायर स्टेशन से पहुंची दमकल ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। एफएसओ सरोजनीनगर ने शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई है।

15 जून तक पूरी हों बाढ़ सुरक्षा परियोजनाएं, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई – स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में आगामी मानसून और संभावित बाढ़ को देखते हुए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने उदयगंज स्थित सिंचाई विभाग मुख्यालय में बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव कार्यों की व्यापक समीक्षा की। उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेशभर में संचालित बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं, तटबंधों की स्थिति, संवेदनशील क्षेत्रों में तैयारियों, राहत एवं बचाव व्यवस्था तथा विभागीय समन्वय की समीक्षा की गई। बैठक में विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जनपद स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।बैठक के दौरान जलशक्ति मंत्री ने 5 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं की प्रगति का लाइव कैमरों के माध्यम से निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यस्थलों पर मौजूद अभियंताओं और अधिकारियों से सीधे संवाद कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति और समयसीमा की जानकारी ली। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि बाढ़ सुरक्षा से जुड़ी सभी परियोजनाएं हर हाल में 15 जून तक पूरी कर ली जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता की सुरक्षा से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।जलशक्ति मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परियोजनाओं का कार्य निर्धारित मानकों और उच्च गुणवत्ता के अनुरूप कराया जाए। उन्होंने बाढ़ से पहले नालों की सफाई अभियान को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने, तटबंधों पर बने रेट होल, शाही होल और वर्षाजनित कटाव को तत्काल भरवाने के निर्देश दिए, ताकि बाढ़ के दौरान आवागमन बाधित न हो और राहत कार्यों में तेजी लाई जा सके।उन्होंने अति संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त रिजर्व स्टॉक उपलब्ध रखने और बाढ़ अवधि के दौरान आवश्यक संसाधनों की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। साथ ही निर्देश दिए कि 31 मई तक प्रदेश के सभी नियंत्रण कक्ष स्थापित कर 15 जून से पूर्ण रूप से सक्रिय कर दिए जाएं।स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि बाढ़ अवधि में प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र की सतत निगरानी बनाए रखे तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा करते हुए ।

आंधी में उखड़कर छप्पर पर गिरा आम का पेड़, नीचे दबकर महिला की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के गोंडा में सोमवार रात आई तेज आंधी एक परिवार पर कहर बनकर टूटी। यहां छप्पर पर आम का पेड़ गिर गया। उसके नीचे दबकर 70 वर्षीय कौता देवी की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में रोना बिलखना शुरू हो गया। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। घटना वजीरगंज क्षेत्र के खीरीडीह गांव के मजरे गौराडीहा की है। बताया गया कि द्वारिका प्रसाद की पत्नी कौता देवी घर में छप्पर के नीचे सो रही थीं। इसी दौरान तेज आंधी चलनी शुरू हो गई। आंधी के चलते पास खड़ा आम का पेड़ अचानक छप्पर पर गिर गया। इससे कौता उसके नीचे दब गईं। परिजनों के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर जुटे। काफी मशक्कत के बाद पेड़ को काटकर हटाया गया। इसके बाद महिला को बाहर निकाला गया। लेकिन, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पति द्वारिका प्रसाद ने बताया कि उनका बेटा सुरेश गुप्ता रोजी–रोटी कमाने के लिए आंध्र प्रदेश के हैदराबाद में रहता है।

युवाओं को 'न्यू एज स्किल्स' से जोड़ने पर सरकार का जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने सोमवार को विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष संख्या–58 में प्रशिक्षण एवं सेवायोजन स्थायी समिति की बैठक की। बैठक में कौशल विकास और प्रशिक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा की गई तथा समिति सदस्यों ने अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।मंत्री ने प्रदेश के राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की स्थिति की जानकारी देते हुए ।

बदहाल सीवर कार्यो की बदहाली पर नगर विधायक का फूटा गुस्सा

(डाक्टर अजय तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। शहर में बदहाल सीवर व्यवस्था, महीनों से खोदी गई सड़कों और अधूरे पड़े कार्यों को लेकर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता का गुस्सा आखिरकार फूट पड़ा।सर्किट हाउस सभागार में जल निगम अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में विधायक ने अधिकारियों और ठेकेदारों की कार्यशैली पर तीखी नाराजगी जताते हुए कहा कि "जनता को परेशान करने वाली लापरवाही अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।"बैठक के दौरान पार्षदों ने शहर के विभिन्न वार्डों में सीवर परियोजना की अव्यवस्था और सुस्त कार्यप्रणाली की पोल खोलकर रख दी।पार्षद अनुज दास ने बताया कि छह महीने पहले सड़क खोदने के बाद आज तक निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ।जिससे स्थानीय लोगों का आवागमन दूभर हो गया है।पार्षद अनूप श्रीवास्तव ने कहा कि कई स्थानों पर महीनों से काम लंबित पड़ा है और संबंधित ठेकेदार संसाधनों के अभाव में काम तक नहीं करा पा रहा।पार्षद दीप कुमार गुप्ता ने आदर्श पुरम कॉलोनी के सड़कों की बदहाली का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सीवर लाइन डालने के बाद सड़कें चलने लायक नहीं बची हैं। घोसियाना क्षेत्र में पाइप डालने के बाद ठेकेदार महीनों से गायब है। वहीं पार्षद अंकित त्रिपाठी ने लोगों के घरों में सीवर का पानी भरने की गंभीर शिकायत रखी।पार्षद ज्ञान केसरवानी ने मकबरा फतेहगंज रोड में चल रहे सीवर कार्य में जलनिगम की कार्यशैली पर सवाल उठाए।पार्षद विनय जायसवाल ने रामपथ पर खुले पड़े मैनहोल, ढक्कन गायब होने, सीवर ओवरफ्लो और कंट्रोल रूम द्वारा शिकायतों के निस्तारण में उदासीनता के मुद्दे भी जोरशोर से उठे।इन शिकायतों पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए निर्देश दिया कि जब तक पुराने और अधूरे कार्य पूरे नहीं हो जाते, तब तक किसी भी नए स्थान पर सीवर लाइन का कार्य शुरू न किया जाए।उन्होंने अधिकारियो को निर्देश दिए कि सभी खोदी गई सडकों के गुणवत्ता पूर्ण निमार्ण से पहले ठेकेदारों का भुगतान रोक दिया जाए।विधायक ने कहा कि बरसात से पहले हर हाल में खोदी गई सड़कों का निर्माण पूरा होना चाहिए। उन्होंने जल निगम की कार्यशैली को अव्यवस्थित बताते हुए कहा कि अधिकारियों व कर्मचारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी और कार्यशैली में सुधार न आने पर शासन को कार्रवाई की संस्तुति भेजी जाएगी।बैठक जल निगम के अधीशाषी अभियन्ता नगरीय रोहित चौरसिया, सहायक अभियन्ता विवेक पाण्डेय, संतोष कुमार सिंह, मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र, वरूण चौधरी, मौजूद रहे।

24 घंटो के अंदर रुदौली व कोतवाली अयोध्या थाना क्षेत्र में देखते - देखते कार व आटो बना आग का गोला

बाल बाल बचे कार व आटो सवार

अयोध्या।तेज धूप तथा भीषण गर्मी में वाहनों में आग लगने की घटनाओं में वृद्धि हुई है।24 घंटे के अंदर दो थाना क्षेत्र में देखने को मिली।पहली घटना बीती रात थाना रुदौली क्षेत्र के गोरखपुर लखनऊ हाईवे पर स्थित रोजा गांव ओवर ब्रिज पर एक कार देखते देखते आग का गोला बनकर धूँ धूँ करके जलने लगी।बताते चलें इस कार में सवार चार श्रद्धालु राम नगरी से दर्शन पूजन कर अपने घर वापस जा रहे थे।हालांकि कार में सवार सभी लोगों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली।बताया जा रहा है कि कार में चालक सहित चार लोग सवार थे।घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।मौके पर पुलिस बल मौजूद रही तथा राहत एवं बचाव कार्य किया।जबकि दूसरी अन्य हादसा कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के लता चौक पर बुधवार सुबह बड़ा हादसा टल गया।अयोध्या धाम के लता चौक के पास नयाघाट क्षेत्र में श्रदालुओ से भरी एक सीएनजी ऑटो रिक्शा देखते अचानक आग का गोला बन गया। देखते ही देखते ऑटो धू–धू कर जलने लगा।मौके पर लता चौक तथा आसपास के क्षेत्रों में अफरा–तफरी मच गई।ऑटो में उस समय पांच यात्री सवार थे।सीएनजी आटों मे आग लगते ही सभी यात्रियों ने कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई।गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई।काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ,लेकिन तब तक ऑटो पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था।घटना के बाद लता मंगेशकर चौक पर भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात संभाला।अयोध्या कोतवाली प्रभारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और उन्हें दूसरे वाहन से रवाना कर दिया गया।विशेषज्ञों की माने कि गर्मी के दिनों में डीजल, पेट्रोल व सीएनजी टंकी को फुल न करे।बीच–बीच में टंकी को एक बार खोल भी ले और कोशिश यह करें गाड़ियों को धूप में ना खड़ी कर छांव में खड़ी करें।क्योंकि गर्मी के दिनों में विशेषज्ञों का मानना है कि गैस बन जाती है। इन वाहनों की टंकियां में जब गैस भर जाती है और निकालने की जगह ना पाए हुए खासकर गर्मी के दिनों में आए दिन इस तरह के हाथ से होते रहते हैं।

काशिफ ने खरीदे 55,000 के दो बकरे. .. नाम रखा शाहरुख व सलमान

गोरखपुर, (संवाददाता)। ईद–उल–अजहा को लेकर शहर के मुस्लिम बहुल इलाकों में रौनक बढ़ गई है। जामा मस्जिद उर्दू बाजार, जाफरा बाजार, इलाहीबाग, खूनीपुर और जाहिदाबाद की मंडियों में बकरों की खरीदारी तेज हो चुकी है। लोग अपनी पसंद और बजट के मुताबिक बकरे खरीद रहे हैं। घोसीपुर के काशिफ ने 55 हजार में दो बकरे खरीदे हैं। इनका नाम शाहरुख और सलमान रखा है। सैयद काशिफ ने दोनों बकरों के लिए अलग से एसी और कूलर का इंतजाम किया गया है। काशिफ बताते हैं कि भीषण गर्मी की वजह से बकरे बाहर निकलना ही नहीं चाहते। कमरे में बिछे बिस्तर पर आराम करना वे ज्यादा पसंद कर रहे हैं। कभी सोफे पर बैठ जाते हैं तो कभी बच्चों के साथ खेलते नजर आते हैं। इनकी देखभाल किसी खास मेहमान की तरह की जा रही है। खाने में चना, बेल के पत्ते और हरी घास दी जा रही है। मुहम्मद नदीम ने बताया कि बाजारों में इस बार देसी, बरबरी, जमनापारी और तोतापरी नस्ल के बकरों की खास मांग है। सामान्य बकरे 10 से 20 हजार रुपये तक बिक रहे हैं, जबकि खास नस्ल और भारी वजन वाले बकरों की कीमत 50 हजार रुपये तक पहुंच रही है। ग्रामीण इलाकों से आए व्यापारी भी अच्छी नस्ल के जानवर लेकर शहर पहुंचे हैं। मोलभाव के बीच खरीदारों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। बकरीद करीब आते ही शहर में लोग घर लाए बकरों की खूब खातिरदारी कर रहे हैं और इनके नखरे चर्चा का विषय बने हुए हैं। कई घरों में बकरों को परिवार के सदस्य की तरह रखा जा रहा है। बच्चों ने भी इनके नाम फिल्मी सितारों और लोकप्रिय किरदारों पर रख दिए हैं। उधर, बड़े जानवरों में हिस्सा लेने की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। कई स्थानों पर लोगों ने पेशगी रकम जमा करानी शुरू कर दी है। शहर में हर साल की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में भैंस की कुर्बानी की तैयारी चल रही है। धार्मिक विद्वानों का कहना है कि कुर्बानी का त्योहार सिर्फ परंपरा नहीं बल्कि त्याग और इंसानियत का पैगाम भी देता है। इस्लामी माह जिलहिज्जा में देश और दुनिया के लाखों मुसलमान हज अदा करते हैं। भारत से भी बड़ी संख्या में हज यात्री मक्का शरीफ पहुंचे हुए हैं। हज पर गए तकिया कवलदह के मुहम्मद वसीम ने बताया कि हज यात्री इबादत में मशगूल हैं। 25 मई से हज के अरकान शुरू हैं, जो 27 मई तक जारी रहेंगे। भारत के लिए खुसूसी दुआ होगी। इस बार गोरखपुर से करीब 117, देवरिया से 35, कुशीनगर से 17, महराजगंज से 71 लोग मुकद्दस हज यात्रा पर गए हुए हैं।

प्रधानों को प्रशासक बनाकर बीजेपी ने बिछाई चुनावी बिसात

गोरखपुर, (संवाददाता)। पंचायत चुनाव की लेटलतीफी के बीच भाजपा ने पहली बार प्रधानों को ही प्रशासक बनाकर चुनावी बिसात बिछा दी है। योगी सरकार के इस फैसले को चुनावी दृष्टिकोण से बेहद अहम माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि सरकार का यह फैसला मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकता है क्योंकि प्रधानों में उत्साह बढ़ गया है। दरअसल, प्रदेश में पंचायत चुनाव समय में कराने में सरकार सफल नहीं हो पाई। प्रधान समय से चुनाव न होने पर उन्हें ही प्रशासक बनाने की मांग कर रहे थे। सरकार की ओर से पहले एडीओ पंचायत को प्रशासक के तौर पर नियुक्त करने की परंपरा रही थी। पिछले पंचायत कार्यकाल में भी ऐसी ही नौबत आई थी। तब प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने पर एडीओ को प्रशासक बना दिया गया था। इससे प्रधानों में नाराजगी थी। सरकार के लिए वहअनुभव बेहद ही निराशाजनक रहा। विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी दल को उम्मीद के हिसाब से सफलता नहीं मिली। सत्ता वापसी के बावजूद सीटें घट गईं। माना गया कि तत्कालीन प्रधानों का भी सहयोग नहीं मिला। इस बार सरकार उस अनुभव से सबक लेती नजर आई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने समय पर चुनाव न कराने के हालात बनते ही प्रधानों को प्रशासक बना दिया। इसका साफ संकेत सामने आया। प्रधानों ने इस फैसले का स्वागत किया है। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं राजनीतिक विश्लेषक अमित मिश्रा कहते हैं, सरकार के इस फैसले का बहुत ही सकारात्मक असर गांवों में होगा। गांवों में चलने वाली योजनाओं की गति मिलेगी और बजट खर्च करने में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। जनता में प्रधान की पकड़ सीधी होती है और वे जनता से ही चुनकर आते हैं इसलिए लोगों का भरोसा भी उन पर ज्यादा होता है। लिहाजा गांवों में सरकार के प्रति अगर कोई नाराजगी है तो वह भी दूर होगी। इसके उलट पिछली बार पर गौर करें ।

कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने के लिए एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने नहीं छोड़ रहे कोई कोर कसर

अयोध्या। जिले में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने के लिए एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।अपराध पर अंकुश लगाने के लिए वे कई थाना क्षेत्रों में अस्थाई रुप से पुलिस चौकियां भी खोल रहे हैं।देखा जाए इसी माह मई में अब तक लगभग जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में लगभग 10 अस्थाई रूप से पुलिस चौकियां बनाए जाने का निर्देश जारी किया है।उनका मानना है की इससे अपराध पर अंकुश लगेगा। उन्होंने इस माह थाना इनायतनगर क्षेत्र मे अस्थाई नवीन चौकी कुचेरा बाजार, तरौली तथा थाना पूराकलन्दर क्षेत्र मे करमा एवं सरियावां बनाये जाने का आदेश पारित किया। थाना इनायतनगर क्षेत्र मे आने वाले चौकी कुचेरा बाजार क्षेत्र मे आने वाले गांव कुचेरा, मीठेगाव, सरायनामू, शेखनपुर हतवा, मदरिया, बरिया देई, पलिया जगमोहन सिंह, रसूलपुर, भदोखरा, अहिरौली सलोनी, गोठवाग सोधियांवा शामिल है।जबकि इसी थाना क्षेत्र मे चौकी तरौली क्षेत्र मे आने वाले गांव मजनाई, गुरौली, बरिया निसारु, तरौली, रामपुर फकीरे, कुम्भी, शुकुलपुर, अलीपुर खजुरी, नेवली, अगरबा, सेवरा शामिल है।पूराकलंदर थाना क्षेत्र मे खुलने वाले चौकी सरियावां मे आने वाले गांव मे बरवा, पोरा बेतौली, कन्दैला, कुरावा, सोफियापारा, महावा, रग्धूपुर, नजीरपुर, खडगपुर, उसरु अमौना, कादीपुर, बन्दीदासपुर, साखूपारा शामिल रहे।इसी थाना क्षेत्र मे चौकी करमा क्षेत्र के तहत आने वाले ग्राम मे मोदरा, गगौली, महेशपुर, अंजना, रामपुर सर्धा, शान्तिपुर, भगवाभीट, पुरखेपुर, देवापुर, दुगौली, कुतुबपुर, लक्ष्मीदासपुर, करमा, खनुवाना शामिल है।इसी तरह थाना महाराजगंज अन्तर्गत अस्थाई नवीन चौकी अरवत बनाये जाने का आदेश पारित किया। चौकी अरवत क्षेत्र मे आने वाले गांवों मे समैसा, जयनगरा, मेदिनीपुर, फतेहपुर मुमताजाबाद, हथिलाही, नन्दराम का पुरवा, दुर्गापुर रमपुरवा, बल्ला का पुरवा, रामपुरवा, बेरासपुर, कुडी, अरवत, नगहरा, कुम्हियाँ, चाचिकपुर, वीरमपुर, ककहरा, मलखानपुर, सिंहोरिया, नुआवा, द्वारिकापुर, सरोरा रघुनाथपुर, जगदीशपुर, ललई का पुरवा, पीपरपुर, सारंगपुर, कौंधा, सेमरिया शामिल है।वही इसी थाना क्षेत्र मे एक और अस्थाई नवीन चौकी तमसाघाट बनाये जाने का आदेश पारित किया। जिसमे हँसा, सोनैसा, मोहर्रमपुर अरती, भदौली, पिठिया, पलिया टेकधर, साई की तकिया, भदौली खुर्द, शेरावासी, लोहार का पुरवा, पुनहद, डजवा, डेरवा, खजुरावर, माफीदार का पुरवा, खानपुर पुरसाये, गोविन्दपुर, कृष्णापुर, ऐमीआलापुर, दुल्हन तिवारी का पुरवा, ऐमीईबान, ऐमीघाट, तारापुर, छोटिया, करौदी, दहलवा, रसूलाबाद, आशापुर चन्दई, सुबटहा, बिबियापुर गांव शामिल रहेंगे।इसी तरह थाना बाबा बाजार क्षेत्र मे अस्थाई नवीन चौकी रेछ बनाये जाने का आदेश पारित किया।इस चौकी क्षेत्र मे उमापुर, मीरमऊ घाट, कन्धई, शिवा का पुरवा, देवता का पुरवा, रेछ, बढई का पुरवा, इमिलडिहा, बाबु का पुरवा, भुलामऊ, कलापुर, सरोतरमऊ, नया पुरवा, हरचन्दपुर, सीताशुक्ल पुरवा, नरायनपुर, मिश्री तिवारी का पुरवा, तकिया गांव शामिल रहेंगे।इसी थाना क्षेत्र मे अस्थाई नवीन चौकी हंसराजपुर बनाये जाने का आदेश पारित किया।इस चौकी क्षेत्र मे हंसराजपुर, मल्लाहन का पुरवा, वादराज का पुरवा, घाट का पुरवा, रिसाल का पुरवा, विसेनन का पुरवा, समगरा, खेमनी का पुरवा, लोखडिया, नौगवाडीह, रामपुर जनक, सिघागंढ, कुटिया, अमौनी, देवईत, सिकदारी का पुरवा, भिखारी सराय, भनियापुर गांव शामिल रहेंगे।इसी थाना बाबा बाजार क्षेत्र मे एक और अस्थाई नवीन चौकी सैदपुर बनाये जाने का आदेश पारित किया।जिसमे सैदपुर, पाण्डेय का पुरवा, सधई का पुरवा, करौदी, मेड़ई का पुरवा, गुमान गोसाई का पुरवा, कोयली का पुरवा, नन्दा पाण्डे का पुरवा, महमदनगर, छोटा गनेशपुर, बरकत अली का पुरवा, गोड़ियन का पुरवा, लोधन का पुरवा, खरीका, फुरसत अवस्थी का पुरवा, चौन का पुरवा, काली गोसाई का पुरवा, नैय्यामऊ, मण्डिला, तेलिनपटिया, मिश्र का पुरवा, पण्डित का पुरवा, बाल्दा, जुराखन का पुरवा, लोहटी सरैया, नया पुरवा, जलालपुर, राम अधीन का पुरवा, पहलवान का पुरवा, बाकरपुर, पाण्डेय का पुरवा, बासगॉव, अमराईगांव, सरनाम पुरवा, दुल्लामऊ, मुक्ता का पुरवा, पुन्नी का पुरवा, जागेश्वर का पुरवा, लोधौरा, टेर, गम्भा का पुरवा, सिटकहा, उसरहा, गड़रिया का पुरवा, परसन का पुरवा शामिल है।वही थाना खंडासा अन्तर्गत अस्थाई नवीन चौकी अमरगंज बनाये जाने का आदेश पारित किया।इस नवीन चौकी क्षेत्र मे कलन्दरपुर, कंजी, नौगवा, सरौली महुआ, रामपुर गौहनिया, अंजरौली, सिड़सिड़, मझनपुर, मानूडीह, चितौरा, मितौरा, नरसड़ा, देवरा कटरा, घटोली गांव शामिल रहेंगे।

'महीनों से अंधेरे में सैकड़ों घर, विद्युत विभाग की लापरवाही पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा'

ब्यूरो चीफ– आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत गौरा बारामऊ के बरामऊ गांव में हलियापुर सर्विस स्टेशन के पिपरी फीडर से होने वाली विद्युत आपूर्ति पिछले कई महीनों से ठप पड़ी है। बिजली न मिलने से सैकड़ों ग्रामीण भीषण गर्मी में अंधेरे में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। समस्या से नाराज ग्रामीणों का गुस्सा मंगलवार को फूट पड़ा और उन्होंने विद्युत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर लापरवाही का आरोप लगाया। ग्रामीणों के अनुसार गांव में पहले 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगा था, जो लंबे समय से खराब पड़ा है। बाद में गांव की बढ़ती जरूरत को देखते हुए 63 केवीए का नया ट्रांसफार्मर स्वीकृत हुआ और उसके लिए खंभे भी लगा दिए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि नया ट्रांसफार्मर गांव तक पहुंचने के बाद भी तकनीकी खराबी बताकर वापस ले जाया गया और आज तक नहीं लगाया गया। खराब ट्रांसफार्मर खंभे पर केवल शोपीस बनकर लटका हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार संबंधित जेई हलियापुर को फोन कर समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। सीएम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के बावजूद विभागीय अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। मंगलवार को जब जेई से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनका फोन भी नहीं उठा। इससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति भारी नाराजगी देखने को मिली। बिजली न होने से गांव में पेयजल संकट गहरा गया है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और रातें अंधेरे में गुजर रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भीषण गर्मी में बिजली न रहने से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। मामले की जानकारी ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक मोहम्मद ताहिर को दूरभाष के माध्यम से दी। विधायक ने तत्काल संज्ञान लेते हुए एक्सईएन से बात कर जल्द ट्रांसफार्मर लगाने और बिजली आपूर्ति बहाल करने के निर्देश दिए। इस पर एक्सईएन ने आश्वासन दिया कि दो से तीन दिनों के भीतर आवश्यक कार्रवाई कर गांव की विद्युत व्यवस्था सुचारु कर दी जाएगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय के भीतर बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो वे उच्च अधिकारियों के कार्यालय पहुंचकर समस्या से अवगत कराया। इस दौरान अजीत सिंह, राजकरन सिंह, मोहब्बत अली, रसीद, चांद बाबू, शिवबालक, इजरायल, रियासत, शिव कुमारी, अक्लीमुनिश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर पलटी बस, दरोगा समेत सात की मौत

उन्नाव, (संवाददाता)। उन्नाव जिले में दिल्ली से गोरखपुर जा रही प्राइवेट स्लीपर बस मंगलवार सुबह पांच बजे लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक दरोगा समेत सात यात्रियों की मौत हो गई। वहीं, तीन पुलिसकर्मी समेत

24 यात्री घायल हुए हैं। हादसे के वक्त बस में 52 यात्री थे। बस की रफ्तार इतनी तेज थी कि पलटने के बाद100 मीटर तक घिसती चली गई। दिल्ली से गोरखपुर जा रही स्लीपर बस में कुल 52 यात्री सवार थे। तेज रफ्तार होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और बस पुलिया से टकराने के बाद पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। करीब आधे घंटे बाद यूपीडा कर्मी और पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद 24 घायलों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। एसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि कुछ घयल यात्रियों की हालत गंभीर होने से लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे का सीएम योगी ने संज्ञान लिया है। उन्होंने हादसे में हुईं मौतों पर गहरा शोक व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सीएम ने अधिकारियों को दुर्घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, प्रशासन को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा है। कहा कि मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। हादसे के घायलों में गया, बिहार के वसीम (33) पुत्र शमसुद्दीन और देवरिया के गोलू (22) पुत्र धर्मेंद्र के साथ ही जहानाबाद, बिहार के रोहन (29) पुत्र सुरेन सिमल हैं। गोरखपुर क्षेत्र से जुड़े लोगों में बिसरोली के विनय पुत्र मुनिरका, कुसुमल बनी के अरुण कुमार (28), खदानी के सुरेंद्र कुमार (33) और अमरदीप (30) पुत्र प्रयाग गुप्ता शामिल हैं। इनके अलावा, शिकारपुर, बिहार के फरमान अंसारी (30) पुत्र मिखिल अंसारी, पीपरपाड़ी के शाहिद अख्तर पुत्र लाल मोहम्मद, बस्ती के सोम अली (28) पुत्र इंसान अली, दिल्ली के श्याम बिहार निवासी धनंजय (34) पुत्र बच्चन प्रसाद और बस्ती के ही विष्णु (25) पुत्र गंगाराम भी घायल हुए हैं।

निष्प्रयोज्य/जर्जर विभागीय कक्ष 01 ध्वस्तीरण कर नीलामी 1 जून को

अयोध्या। राजकीय इण्टर कालेज, अयोध्या में मिनी स्टेडियम निर्माण हेतु विद्यालय में स्थित निष्प्रयोज्य ध जर्जर विभागीय कक्ष 01 ध्वस्तीरण कर नीलामी की जायेगी।इस संबंध मे जीआईसी के प्रधानाचार्य ने बताया कि नीलामी 1 जून को अपरान्ह 2.00 बजे होगी।बताया कि स्कैप मूल्य रू० 55000.00 (पचपन हजार) रखा गया है।इच्छुक बोलीदाता नीलामी हेतु धरोहर धनराशि रू0 5500.00 (पांच हजार पांच सौ) जमा कर खुली बोली लगा सकता है।जिसमे सफल बोलीदाता (अधिकतम बोली दाता) को तुरन्त कुल बोली धनराशि का 25 प्रतिशत धनराशि जमा करना होगा तथा शेष धनराशि 5 दिवस के अन्दर जमा करनी होगी।सफल बोली दाता को नियमानुसार सभी प्रकार के टैक्स एवं अन्य सरकारी शुल्क जमा करना होगा।बताया कि ध्वस्तीकरण के समय कोई सामग्री ध श्रमिक क्षति होती है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी बोली दाता की होगी।नीलामी समिति को बिना कोई कारण बताये किसी भी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित होगा।वही बोली दाता किसी भी कार्यदिवस में विद्यालय में आकर कक्ष का निरीक्षण एवं उससे सम्बन्धित जानकारी प्राप्त कर सकते है।बताया कि नियम एवं शर्तें विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर देख सकते है।

कुर्बानी की फोटो वायरल करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : एसडीएम

भदोही, (संवाददाता)। शांति समिति की बैठक रविवार को स्थानीय थाना परिसर में हुई। इसमें बकरीद पर्व को सकुशल संपन्न कराने पर जोर दिया गया। इस मौके पर उपजिलाधिकारी अर्चना अग्निहोत्री ने कहा कि सभी लोग त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। नगर पंचायत प्रशासन और पुलिस प्रशासन की तरफ से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कुर्बानी के दौरान सभी पशुओ के अवशेष को नगर पंचायत की तरफ से खोदे गए गड्ढों में डाल कर मिट्टी से ढक दें। बकरीद की नमाज किसी भी सार्वजनिक स्थानों और रास्ते पर न की जाएं। कुर्बानी की कोई भी फोटो, वीडियो को वायरल नही करेगा, यदि ऐसा कोई करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी स इस दौरान मौलाना अफरोज, अब्दुल सत्तर कुरैशी, मुस्तकीम आफताब आलम, आजाद प्रधान, प्रभुनाथ सिंह, यशवंत उपाध्याय, रामजी पांडेय मौजूद रहेगी।

भाभी के मायके वालों ने भाई-भांजे को पीटा

भदोही, (संवाददाता)। स्थानीय कस्बा निवासी राकेश मोदनवाल की तहरीर पर मारपीट के मामले में पुलिस ने शनिवार की शाम आठ लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। आरोप है कि भाई की ससुराल के लोगों ने घर पहुंचकर मारपीट की। प्राथमिकी के अनुसार, राकेश के बड़े भाई सुरेश मोदनवाल की शादी वर्ष 2004 बस्ती शहर निवासी बबीता से हुई थी। बड़ा भाई सुरेश मानसिक रूप से कमजोर होने के चलते भाभी बबीता आए दिन मारपीट करती थी। बीते 22 मई को उसके भाई और भाभी से आपस में किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। भाभी बबीता ने उसी शाम छह बजे अपने मायके से भाई राजू, जितेंद्र, धर्मेंद्र, शिवकुमार मोदनवाल, भाई की सास सावित्री देवी, भाई की पत्नी अनुराधा, संतकबीरनगर जिले के मेहदावल निवासी बहन गुंजा और सोनू उर्फ बृजेश को बुला लिया। सभी ने घर पहुंचकर भाई सुरेश को पीट दिया। विरोध करने पर भांजे बंटी को भी पीट दिया। घर और दुकान में घुसकर सामान तोड़ दियया। थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार गुप्त ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

24 बकायेदारों के काटे बिजली कनेक्शन, 4 लाख की वसूली

भदोही, (संवाददाता)। गोपीगंज नगर के विभिन्न मोहल्लों में रविवार को बिजली निगम की ओर से चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान बकाया बिल वाले 24 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए। निगम की कार्रवाई से नगर में खलबली मची रही। अवर अभियंता गोपीगंज बृजेश जायसवाल और विनोद कुमार शुक्ला के नेतृत्व में टीम ने चिकन गली, पश्चिम मोहन, अंजनी मोहाल और बड़े शिव गली समेत विभिन्न मोहल्लों में सघन विद्युत जांच अभियान चलाया। अवर अभियंता बृजेश जायसवाल ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से आवश्यकता के अनुसार बिजली उपयोग करने और समय से बिल जमा करने की अपील की, ताकि अनावश्यक लोड और ट्रिपिंग की समस्या से बचा जा सके।

उन्नाव ने अयोध्या को 2-0 से हराया

उन्नाव, (संवाददाता)। सरैंया स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मिनी स्टेडियम में तीन दिवसीय 29वीं अंतर जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। पहले दिन खेले गए दो मैचों में उन्नाव और लखनऊ की टीमों ने मैच जीते। एसपी जयप्रकाश सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि खेल को खेल भावना से खेला जाए। खेलकूद प्रतियोगिताएं पुलिस कर्मियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ आपसी समन्वय एवं अनुशासन को भी सुदृढ़ करती हैं। प्रतियोगिता का पहला मैच उन्नाव और अयोध्या के बीच खेला गया। इसमें उन्नाव के खिलाड़ी जसवंत चौधरी ने दोनो हॉफ में एक–एक गोल कर जिले को 2–0 से जीत दिलाई। दूसरा मैच लखनऊ और सुल्तानपुर के बीच खेला गया।

डीसीएम में पीछे से भिड़े लोडर और कार, छह घायल

उन्नाव, (संवाददाता)। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर लोधाटीकुर गांव के पास डीसीएम का टायर फटने से पीछे से आ रहे लोडर सहित चार वाहन उसमें भिड़ गए। घटना में तीन लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। फिरोजाबाद जिले के थाना जसराना निवासी उपेंद्र (35) डीसीएम लेकर दिल्ली से लखनऊ जा रहे थे। एक्सप्रेसवे पर औरास थानाक्षेत्र के लोधाटीकुर गांव के पास रात दो बजे पहुंचे थे तभी डीसीएम का अगला दायीं ओर का टायर फट गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।